शहर की 5 आंगनबाड़ियों को बनाया आनंदम केंद्र, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य पर जोर

भोपाल | DBStar

शहर में अब महिला एवं बाल विकास की मदद से आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प कर उनको आनंदम केंद्र के रूप में तब्दील किया जा रहा है। इसका मकसद बच्चों को हर जरूरत का सामान मुहैया कराना है। योजना के तहत बच्चों के आनंदम में खेलने के लिए तरह-तरह के खिलौने, पढ़ने के लिए लाइब्रेरी, निःशुल्क शिक्षा के साथ ही नेकी की दीवार भी बनाई गई है। अफसरों का कहना है कि भोपाल के साथ ही अब इसे प्रदेश के सभी जिलों में शुरू करने की कवायद चल रही है।

भोपाल से हो गई शुरुआत

राज्य आनंद संस्थान की पहल पर भोपाल के पांच आंगनवाड़ी केंद्रों को आनंदम का स्वरूप दिया जा रहा है। इनमें शाहपुरा क्षेत्र के बाबा नगर, शबरी नगर, बिहारी मोहल्ला, वल्लभ नगर के केंद्र शामिल किए गए हैं। लाइब्रेरी, खिलौने, नेकी की दीवार आदि इन आंगनबाड़ी केंद्र के परिसर में स्थापित की गई है। इन केंद्रों के संचालन में स्थानीय सामाजिक संस्थाओं, आनंद क्लब तथा आनंदको का सहयोग लिया जाएगा।

वॉलेंटियर्स करेंगे जागरूक

आनंद क्लब और आनंदको के वॉलेंटियर्स लोगों को जागरूक करेंगे, जिससे केंद्र की भावना के अनुरूप लोगों के पास जो भी अनुपयोगी सामान है, इन केंद्रों को दें। कपड़े रखने के लिए नेकी की दीवार बनाई गई है। ऐसे ही खिलौने और किताबों के लिए भी लाइब्रेरी तैयार है। कोई भी जरूरतमंद यहां से कपड़े, खिलौने और किताबें आदि ले जा सकता है।

इंटर्नशिप प्रोग्राम भी शुरू होगा

अनंदम केंद्र से जुड़ी महिलाओं और बच्चों के साथ ऐक्टिविटीज जिसमें मस्ती हो और सीख भी मिले। इसके लिए स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं। छात्रों के लिए यह दो दिन की स्वेच्छित गतिविधि होगी। इसके पश्चात स्टूडेंट्स को अनंदम केंद्र के सपोर्टिंग एनजीओ की ओर से सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

सभी जिलों में शुरू करेंगे

राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश अर्गल ने बताया कि गरीब परिवार के बच्चों की मदद के लिए यह योजना शुरू की गई है। इसके माध्यम से उन्हें बेहतर शिक्षा, अच्छे कपड़े और खिलौने आदि आसानी से मिल जाएंगे। दूसरों की मदद करना स्वयं के आनंद का एक बड़ा स्रोत है। ऐसे में आनंदम केंद्र लोगों को खुश रहने के मौके दे रहा है। फिलहाल भोपाल में पांच आंगनवाड़ी केंद्रों से इसकी शुरुआत की गई है। आने वाले समय में प्रदेश के 170 आंगनवाड़ी केंद्रों में शुरू करने की कवायद चल रही है।

बच्चों को निःशुल्क शिक्षा

शहर के इन पांचों केंद्रों में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ खेल गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके लिए युवा, महिलाएं और पुरुष निस्वार्थ सेवा भाव से केंद्रों में आकर पढ़ाएंगे और खेलों का प्रशिक्षण भी देंगे। साथ ही उनके स्वास्थ्य का ध्यान भी रखा जाएगा